30 देशों के एक्सचेंजों ने यूपी में तलाशीं निवेश की संभावनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश आकर्षित करने के प्रयासों को गति मिल रही है। शुक्रवार को लखनऊ स्थित इन्वेस्ट यूपी कार्यालय में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एक्सचेंजेज (डब्ल्यूएफई) और 30 से अधिक देशों के वित्तीय एक्सचेंजों व राजनयिक मिशनों के प्रतिनिधियों ने निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की।

प्रतिनिधियों ने खासतौर पर सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, उन्नत विनिर्माण और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) की स्थापना में रुचि दिखाई।

वैश्विक निवेशकों को वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने दिया निवेश का न्योता

'उत्तर प्रदेश : ग्लोबल इन्वेस्टमेंट का गेटवे-फाइनेंशियल लीडर्स डायलॉग' में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश एक दशक से अधिक समय से राजस्व अधिशेष की स्थिति बनाए हुए है। पारदर्शी प्रक्रियाओं और निवेश अनुकूल नीतियों से औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सिंगल विंडो सिस्टम, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और 40 से अधिक क्षेत्रवार निवेश नीतियों के तहत जीएसटी प्रतिपूर्ति व पूंजीगत सब्सिडी जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने वैश्विक कंपनियों को निवेश का न्योता देते हुए समयबद्ध मंजूरी और हर स्तर पर सहयोग का भरोसा दिलाया।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एनएसई इंडिया के वरिष्ठ सलाहकार शैलेश पाठक और डब्ल्यूएफई की सीईओ नंदिनी कुमार ने किया। इसमें नैस्डैक, हांगकांग एक्सचेंजेज एंड क्लियरिंग सहित घाना, वारसा, लक्जमबर्ग, नाइजीरिया, ताइवान और अबू धाबी के एक्सचेंजों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरन आनंद ने प्रदेश की कनेक्टिविटी, कुशल प्रतिभा, प्रतिस्पर्धी लागत, विनिर्माण क्षमता और 25 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं के बाजार को निवेश की प्रमुख खूबियां बताया। ब्यूरो